शहरी समाचार

नई सोच नई पहल

नगरीय प्रशासन निदेशालय, नगर विकास एवं आवास विभाग, झारखंड सरकार का प्रकाशन

जून, 2021 | मासिक | 8वाँ अंक | नगरीय बुलेटिन | पृष्ठ :12 | मूल्य: निःशुल्क

मुख्य आलेख »

चक्रवाती तूफान 'यास' से निबटने में नगर निकायों ने निभाई महत्वपूर्ण भूमिका

राँची नगर निगम के सभी 53 वार्डों में सफाई अभियान चलाया गया

मुख्यमंत्री श्रमिक योजना के तहत कोरोना काल में मजदूरों को दिया गया रोजगार

12,228
स्वयं सहायता समूहों (SHGs) का गठन

72,344
PMAY(U) आवासों का निर्माण पूर्ण

21,975
पीएम स्वनिधि ऋण वितरित

21,503
मुख्यमंत्री श्रमिक योजना (MSY) जॉब कार्ड वितरित

इस अंक में

मॉनसून से पूर्व शहरी क्षेत्र की सफाई सुनिश्चित कराने हेतु विभाग द्वारा दिया गया आवश्यक दिशा निर्देश

झारखण्ड सरकार द्वारा मुख्यमंत्री श्रमिक योजना के तहत कोरोना काल में मजदूरों को दिया गया रोजगार

चक्रवाती तूफान 'यास' से निबटने में नगर निकायों ने निभाई महत्वपूर्ण भूमिका

नगर परिषद चाईबासा द्वारा कोरोना काल में निभाई जा रही महत्वपूर्ण भूमिका

मुख्यमंत्री श्रमिक योजना के तहत रोजगार मिलने के पश्चात जसमन के जीवन-स्तर में आया बदलाव (सफलता की कहानी)

प्रधानमंत्री आवास योजना(शहरी) के नवनियुक्त विशेषज्ञों हेतु ऑनलाइन प्रशिक्षण का आयोजन

डे-एनयुएलएम योजना का लाभ लेकर अपने व्यवसाय को आगे बढ़ा रहे हैं जरूरतमंद

मानगो में कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए जागरूकता अभियान

स्वयं सहायता समूह की महिलाएं, जागरूकता फैलाने एवं सामाजिक कार्यो में सबसे आगे

कोविड-19 महामारी को लेकर चक्रधरपुर में चलाया जा रहा जागरूकता अभियान

झारखण्ड सरकार द्वारा संचालित लोक शिकायत प्रबंधन प्रणाली (PGMS)

ऑक्सीजनयुक्त कोविड केयर सेंटर में कोरोना संक्रमित मरीजों का अब होगा बेहतर इलाज

अंतिम संस्कार हेतु मुक्तिरथ वाहन की व्यवस्था

अब मेरी बारी, टीका मेरी जेम्मेदारी

कोयले की खानों के लिए मशहूर शहरः धनबाद (कवर स्टोरी)

संदेश

नगरीय प्रशासन निदेशालय के ''शहरी समाचार'' के नवीन अंक के साथ आपका हार्दिक स्वागत है ''शहरी समाचार'' का यह आठवाँ अंक है। इस न्यूजलेटर के माध्यम से हम विगत नवंबर 2020 से सफलतापूर्वक राज्य के सभी स्थानीय निकायों से जुड़ी सभी छोटी-बड़ी समाचारों का संकलन कर अपने सभी सहयोगी संस्थाओं तक पहुँचाने में सफल हो रहे हैं।

''शहरी समाचार'' का आगाज कोरोना महामारी के संक्रमण के दौरान ही शुरू हुआ था। वर्तमान में भी मानव सभ्यता इस वैश्विक महामारी से निजात नहीं पा सकी है। ऐसे में नगरीय प्रशासन निदेशालय अपने सभी स्थानीय निकायों के साथ मिलकर इस महामारी से निपटने से संबंधित प्रबंधन एवं अपनी मौलिक भूमिका को पूर्ण करने का भी कार्य कर रहा है। ''शहरी समाचार'' के जून 2021 के अंक में राज्य के सभी स्थानीय निकायों की गतिविधियाँ- मुख्यमंत्री श्रमिक योजना से लाभुकों को मिलने वाले रोजगार के अवसर, प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) एवं राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन आदि से संबंधित प्रगति प्रतिवेदन एवं स्वच्छता अभियान जैसे गतिविधियों को समाहित किया गया है। वर्तमान में मॉनसून की शुरुआत के साथ ही योजनाओं के क्रियान्वयन में चुनौतियों में बढ़ोतरी होने की संभावना प्रबल है लेकिन इसके साथ-साथ मॉनसून की फुहार हम सब में ऊर्जा और उत्साह का भी संचार करता है। इस अवधारणा के साथ मैं अपनी सभी सहयोगी संस्थाओं को अपनी जिम्मेवारियों का निर्वहन पूरी निष्ठा के साथ करने की अपील करती हूँ एवं आशा करती हूँ कि ''शहरी समाचार'' का यह अंक हम सभी के लिए प्रेरणादायक एवं लाभकारी साबित होगा।

विजया जाधव
निदेशक,
नगरीय प्रशासन निदेशालय।

नगरीय प्रशासन निदेशालय,
नगर विकास एवं आवास विभाग, झारखंड सरकार का प्रकाशन

नगर विकास एवं आवास विभाग के विभागीय सचिव एवं नगरीय प्रशासन निदेशालय के निदेशक द्वारा वर्चुअल बैठक कर विभाग द्वारा संचालित कार्यों की समीक्षा की गई

मानसून से पूर्व शहरी क्षेत्र की सफाई सुनिश्चित कराने हेतु दिया गया आवश्यक दिशा-निर्देश

नगर विकास एवं आवास विभाग, झारखण्ड सरकार के सचिव श्री विनय कुमार चौबे एवं नगरीय प्रशासन निदेशालय के निदेशक विजया जाधव के द्वारा बुधवार 19 मई को झारखण्ड के 50 नगर निकायों के नगर आयुक्त/अपर नगर आयुक्त/कार्यपालक पदाधिकारी एवं विशेष पदाधिकारी के साथ विडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से वर्चुअल बैठक की गई।

इस दौरान उनके द्वारा नगर निकायों को मानसून से पूर्व शहर की मुख्य सड़कों के साथ लगे बड़े नालों की सफाई के साथ-साथ हर बस्ती, कॉलोनी और गलियों में बनी नालियों की सफाई सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया गया। विदित हो कि विभागीय सचिव द्वारा इससे पहले भी 5 मई को वीडियो कांफ्रेंसिंग से सभी नगर निकायों के अधिकारियों के साथ बैठक कर साफ-सफाई हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया था।

इस दौरान उन्होंने कहा कि राज्य सरकार स्वास्थ्य सुरक्षा सप्ताह मना रही है जिसमें सफाई करना आसान होगा, यह ध्यान में रखत हुए विभागीय सचिव महोदय ने सभी पदाधिकारियों को खुद वार्डवार भ्रमण कर सफाई की वस्तु स्थिति जानने और उसके अनुसार कार्ययोजना पर काम करने का निर्देश दिया। वर्चुअल बैठक में मुख्यमंत्री श्रमिक योजना (MSY), प्रधानमंत्री आवास योजना(शहरी) के चतुर्थ घटक, नगर निकायों के सभी कर्मियों (फ्रंट लाइन वर्कर्स) के कोविड टीकाकरण के अद्यतन प्रगति की राज्य स्तरीय समीक्षा की और इसके साथ ही उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना घटक 4 के तहत लाभुकों के बीच राशि वितरण का भी निर्देश दिया। प्रवासी श्रमिकों को मुख्यमंत्री श्रमिक योजना के तहत रोजगार मुहैया कराने के लिए भी प्रयास करने को कहा गया।

विभागीय सचिव की अध्यक्षता में ऑनलाइन समीक्षात्मक बैठक।

कोरोना संक्रमित का अंतिम संस्कार सुनिश्चित कराएं निकाय

विभागीय सचिव द्वारा यह भी निर्देश दिया गया कि कोरोना से संक्रमित मरीजों का अंतिम संस्कार के दौरान शमशान में अन्य जरूरी वस्तुओं की कमी नहीं होगी तथा उन्होंने नागरिक सुविधा मद से अंतिम संस्कार कराने का निर्देश भी दिया। बैठक में श्री अरविंद कुमार मिश्रा - संयुक्त सचिव, विजया जाधव-निदेशक, नगरीय प्रशासन निदेशालय, श्री मुकेश कुमार-नगर आयुक्त राँची, श्री सत्येंद्र कुमार-नगर आयुक्त धनबाद, के साथ-साथ सभी नगर निकाय के नगर आयुक्त एवं कार्यपालक पदाधिकारी मौजूद रहे।

महत्वपूर्ण निर्देश

- एक सप्ताह में शहर के हर गली और नाली की सफाई सुनिश्चित करें।
- साफ-सफाई में जेसीबी मशीनों और ड्रेन सेक्शन का इस्तेमाल भी करें।
- जहां मैनुअल सफाई संभव हो, वहां मैनुअल तरीके से सफाई कराएं।
- सड़क के किनारे, खेल मैदान, खाली जगह पर कचरा का ढेर न रहे।
- स्टेशन और बस स्टैंड के आसपास सफाई के लिए डेडिकेटेड टीम रखें।
- विद्युत शवदाह गृह के लिए नगर निकाय डीपीआर भेजे, विभाग राशि आवंटित करेगा।
- जिन शहरों में सीएनजी प्लांट लगना है, वे उसपर कार्य करें।

प्राथमिकता के आधार पर वैक्सीन लेने का काम करें

विभागीय सचिव महोदय ने कहा कि नगर निकायों में जो भी सफाईकर्मी, कर्मचारी और पदाधिकारी अब तक वैक्सीन नहीं ले पाए हैं, वह प्राथमिकता के आधार पर वैक्सीन लेने का काम करें और संबंधित नगर निकाय के अधिकारी उन्हें फ्रंटलाइन वर्कर के तौर पर टीका लगवाएं। हर व्यक्ति की जान की रक्षा करना सरकार की जिम्मेदारी है।

रांची नगर निगम

'सफाई तो होकर रहेगी' अभियान जारी

राँची नगर निगम द्वारा 'सफाई तो होकर रहेगी' चलाये जा रहे अभियान के तहत शहरी क्षेत्र के विभिन्न इलाकों में युद्ध स्तर पर सफाई का कार्य किया गया।

श्री मुकेश कुमार, राँची नगर आयुक्त के निर्देश पर चल रहे इस अभियान के तहत मई माह में मधुकम, खादगढ़ा, रुगड़ीगढ़ा, रातू रोड, बड़गाई रोड, बरियातू रोड, हरिहर सिंह रोड, कुसुम विहार, रिम्स गेट, दिव्ययन तालाब आदि स्थानों में कई साल से जमा कचरे को हटाया गया। इन इलाकों से लोगों ने कचरे की तस्वीर नगर निगम को भेजी थी। जिसके पश्चात नगर आयुक्त द्वारा त्वरित संज्ञान लिया गया और अधिकारियों को संबंधित इलाके में साफ सफाई कराने का निर्देश दिया।

नगर आयुक्त द्वारा अभियान को सफल बनाने हेतु शहरवासियों को फोन नंबर **06512 200 011** पर शिकायत और सुझाव भेजने को कहा गया था। साथ ही उन्होंने सोशल मीडिया पर वीडियो संदेश जारी कर लोगों से अपील किया था कि नगर निगम के व्हाट्सएप नंबर **94311 04429** जीपीएस लोकेशन के साथ कचरे का फोटो डालें। फोटो डालने के 12 घंटे के अंदर कचरा साफ कर दिया जाएगा।

सफाई अभियान के दौरान निरीक्षण करते श्री मुकेश कुमार, नगर आयुक्त राँची।

- सफाई अभियान में राँची नगर निगम के सभी 53 वार्डों में नगर प्रबंधक, नगर अभियान प्रबंधक, सहायक अभियंता, कनीय अभियंताओं को वार्डों की जिम्मेवारी दी गई।
- प्रत्येक वार्ड में आठ-आठ मज़दूरों द्वारा सफाई का कार्य किया गया।
- साथ ही वार्डों में लार्विसाइड का छिड़काव, फॉगिंग एवं सैनिटाइज़ेशन विशेष रूप से कराया गया।

इसके अलावा 'सफाई तो होकर रहेगी' अभियान के तहत नगर निगम द्वारा शहर के सभी छोटी-बडी नालियों की सफाई कराई गई। नगर आयुक्त मुकेश कुमार ने बताया कि मानसून से पहले राजधानी के नालों को साफ किया गया ताकि बरसात में जलभराव की समस्या से बचा जा सके। सफाई अभियान में श्रीमती शीतल कुमारी-सहायक नगर आयुक्त राँची, डॉ किरण-सहायक लोक स्वास्थ्य पदाधिकारी सहित नगर निगम के संबंधित पदाधिकारीगण का अहम योगदान रहा।

मुख्यमंत्री श्रमिक योजना (MSY)

लातेहार में मुख्यमंत्री श्रमिक योजना का लाभ अकुशल श्रमिकों को मिला।

झारखंड सरकार द्वारा मुख्यमंत्री श्रमिक योजना के तहत कोरोना काल में मज़दूरों को दिया गया रोजगार

वैश्विक महामारी कोविड-19 के चलते अपना रोज़गार खो चुके अकुशल मज़दूरों को रोज़गार मुहैया कराने के उद्देश्य से झारखंड सरकार द्वारा पिछले वर्ष मुख्यमंत्री श्रमिक योजना की शुरुआत की गई थी। कोरोना की दूसरी लहर के समय जब श्रमिकों के समक्ष रोजी-रोटी की समस्या खड़ी हो गई और सभी दैनिक मज़दूरी से संबंधित कार्य बंद थे। ऐसे समय में राज्य के सभी नगर निकायों द्वारा मुख्यमंत्री श्रमिक योजना के तहत निर्गत जॉब कार्डधारियों को रोजगार उपलब्ध कराया जा रहा है ताकि लॉकडाउन में भी रोज़गार संबंधित समस्या का सामना न करना पड़े एवं उनका जीविकोपार्जन हो सके।

» मुख्यमंत्री श्रमिक योजना के अंतर्गत लातेहार नगर पंचायत के विभिन्न वार्डों में सड़कों तथा नालियों की साफ़ सफाई एवं नगर निगम द्वारा निर्धारित अन्य कार्यों के लिए श्रमिकों को जॉब कार्ड का वितरण किया गया, तथा इन्हें 30 दिन के कार्य की मंजूरी भी दी गई।

» नगर परिषद चाईबासा के द्वारा मुख्यमंत्री श्रमिक योजना के तहत निबंधित मज़दूरों को विभिन्न क्षेत्रों में गहन साफ़ सफ़ाई, तालाबों एवं पार्क की सफ़ाई तथा सड़क एवं नाली निर्माण आदि कार्यों में लगाया गया इसी क्रम में मंगला हाट एवं शिवा तालाब की साफ़-सफाई भी की गई।

इसके साथ-साथ राज्य के सभी नगर निकायों में जॉब कार्ड प्राप्त अकुशल श्रमिकों को शहरी क्षेत्र की साफ-सफाई, नालों की सफाई, तालाबों का सौन्दर्यीकरण/गहरीकरण, पुराने भवनों का जीर्णोधार एवं मरम्मतीकरण, भवन व नाली निर्माण, पेवर्स ब्लॉक एवं सड़क निर्माण, सोकपिट निर्माण, पौधारोपण, सैनिटाइजेशन, जल संचयन इत्यादि के कार्यों में भी रोजगार उपलब्ध कराया गया। MSY के तहत कार्य करने वाले स्थानीय श्रमिकों के अलावा वैसे मजदूर जो लॉकडाउन के कारण बाहर से आकर रोजगार की तलाश में है, वह अपने नगर निकाय से संपर्क करें और योजना का लाभ उठाएं। कोविड-19 महामारी के दौरान शहरी क्षेत्र के अकुशल श्रमिकों को व्यापक पैमाने पर रोजगार उपलब्ध कराने हेतु नगर विकास एवं आवास विभाग, झारखंड सरकार प्रतिबद्ध है।

सार्वजनिक स्थानों एवं शहरी क्षेत्र के तालाबों की हुई साफ-सफाई

हजारीबाग नगर निगम द्वारा शहरी श्रमिकों को रोजगार उपलब्ध कराते हुए निगम क्षेत्र अंतर्गत तालाबों की सफाई करायी गयी। विदित हो कि हजारीबाग नगर निगम में लगभग 500 अकुशल श्रमिकों को जॉब कार्ड निर्गत किया गया, जिसमे अब तक 350 श्रमिको को रोजगार उपलब्ध कराया गया। श्रमिकों को योजना के तहत निबंधन करने की प्रक्रिया नगर निगम द्वारा लगातार जारी है, जो नगर आयुक्त एवं नगर मिशन प्रबंधक के विशेष देख-रेख में क्रियान्वित है। नगर निगम द्वारा मुख्यमंत्री श्रमिक योजना के तहत निबंधित मजदूरों को शहरी क्षेत्र के अन्य कार्यों में भी रोजगार दिए जाने की योजना है। कोरोना काल के दौरान मुख्यमंत्री श्रमिक योजना से एक और जहाँ श्रमिकों को रोजगार उपलब्ध हुई। वहीं दूसरी और सार्वजनिक स्थानों, झील एवं तालाबों की साफ-सफाई भी नियमित रूप से की गयी। और इससे शहरी क्षेत्र के विशिष्टता के प्रमाणिकता में बढ़ावा मिला है।

- शहर के हृदयस्थली पर्यटक स्थल हजारीबाग झील में बारिश के कारण उत्पन्न हुए जलकुम्भियों को हटाया गया।
- नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत खजांची तालाब, कल्याणदास गली एवं कई सार्वजनिक स्थानों की साफ-सफाई की गयी।

मुख्यमंत्री श्रमिक योजना के तहत हजारीबाग झील में कार्यरत अकुशल श्रमिक।

रोजगार की तलाश में भटक रहे दम्पति को मुख्यमंत्री श्रमिक योजना का मिला सहारा

पूजा कुजूर।

भारत की सबसे गंभीर समस्याओं में से एक है गरीबी। भारत में गरीबी देखना बहुत आम-सा हो गया है क्योंकि ज्यादातर लोग अपने जीवन की मूलभूत आवश्यकताओं को भी नहीं पूरा कर सकते हैं। यहाँ पर जनसंख्या का एक विशाल भाग निरक्षर, भूखे और बिना कपड़े और घर के जीने को मजबूर है। आज हम एक ऐसी ही कहानी के बारे में बताने वाले हैं। यह कहानी लातेहार नगर पंचायत की है जहाँ आज हम एक ऐसे दम्पति के बारे में बताने जा रहे हैं जो ऐसी ही गरीबी से परेशान थे। कढीमा ,पांडेपुर लातेहार से 7 किलो मीटर दूर लातेहार नगर पंचायत में वह अपने छोटे बच्चे को गोद में लिए काम की तलाश में आए थे। पति लाजर कुजूर एवं पत्नी पूजा कुजूर, यह दोनों काफी समय से काम की तलाश में थे और चार दिनों से काम की तलाश में शहर में भटक रहे थे लेकिन उन्हें कहीं काम नही मिल रहा था। इसी क्रम में उनकी मुलाकात एक चौराहे पर एक महिला से हुई,महिला ने उन्हें आकर कहा कि नगर पंचायत जाओ वहां तुम्हें काम मिल जाएगा उन्हे पता नहीं था कि वह महिला कौन थी। भगवान का दिया एक अवसर समझकर और उनके द्वारा दिखाये हुए मार्ग को समझकर यह दोनों बड़ी आस लेकर नगर पंचायत पहुंचे। उन्होंने वहां नगर मिशन प्रबंधक को अपनी समस्या बताई। उन्होंने बताया की उनका बच्चा भूखा था, उन दोनों ने भी काफी समय से कुछ नहीं खाया था, उनके पास एक रुपया भी नहीं था और जो था सब खत्म हो चुका था। उनकी हालत देख नगर मिशन प्रबंधक ने उन्हें खाना खाने के लिए पहले कुछ पैसे दिए और तबतक उन्होंने उनसे उनका आधार कार्ड, बैंक का पासबुक और जरूरी दस्तावेज जमा करवा लिया, जब वह खा कर वापस लौटे तो उन्हें एक जॉब कार्ड दिया गया और मुख्यमंत्री श्रमिक योजना के अंतर्गत उसी समय उन्हें कार्य उप्लब्ध कराया गया। उन्हें कूड़ा उठाने वाले गाड़ी से जुड़ा कार्य देकर भेज दिया गया, आज इस बात को 2 माह हो गया है। दंपति नगर पंचायत से जुड़ कर मुख्यमंत्री श्रमिक योजना के अंतर्गत प्रतिदिन काफी निष्ठा से कार्य कर रहे हैं। अब उनके सर पर छत है और उनकी दो वक्त की रोटी का भी इंतजाम हो गया है। वे लोग अब काफी खुश हैं। वह शहर के भुया टोली में एक कमरा लेकर रह रहे हैं और प्रत्येक दिन काम कर रहे हैं। उन्हे यहां का रस्ता दिखाने वाली महिला सीआरपी एलिश डॉकल्स कुजूर थी जिनकी वजह से लाजर कुजूर एवं उनकी पत्नी पूजा कुजूर के जीवन में जो बदलाव आया है उससे वह काफी खुश है और सीआरपी एलिश डॉकल्स कुजूर,नगर पंचायत का आभार प्रकट करते है। झारखंड सरकार द्वारा शुरू किए गए मुख्यमंत्री श्रमिक योजना का लाभ अकुशल श्रमिकों को मिल रहा है वह काफी सराहनीय है। सरकार का मकसद यह है कि रोजगार की तलाश कर रहे शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के असंगठित मजदूर को मुख्यमंत्री श्रमिक योजना के तहत कार्य उप्लब्ध कराया जाये ताकि उन सबके जीवन में जो भी आर्थिक परेशानी है वो खत्म हो जाए एवं वह एक खुशहाल जिंदगी जियें।

चक्रवाती तूफान 'यास' से निबटने में नगर निकायों ने निभाई महत्वपूर्ण भूमिका

'यास' तूफान से प्रभावित लोगों को शेल्टर होम राहत शिविर में पहुँचाया गया।

मानगो में आश्रय लिए लोगों को खाना खिलाने का कार्य निकाय के अधिकारियों एवं SHG ग्रुप द्वारा किया गया।

मई माह के अंतिम सप्ताह में आये चक्रवाती तूफान 'यास' का असर झारखण्ड राज्य के कई जिलों में देखने को मिला। 5 दिनों तक निरंतर बारिश और तूफान ने कई क्षेत्रों में भारी नुकसान पहुँचाया। इसके बावजूद इस आपदा से निबटने के लिए राज्य के सभी नगर निकायों द्वारा महत्वपूर्ण भूमिका निभाई गयी। साथ ही लोगों की जानमाल की सुरक्षा हेतु हर संभव मदद किया गया।

पूर्वी सिंहभूम जिले के तीनों निकायों (जमशेदपुर अक्षेस, मानगो नगर निगम और जुगसलाई नगर परिषद) द्वारा श्री सूरज कुमार, उपायुक्त के निर्देश पर 'यास' तूफान के मद्देनजर एक दिन पूर्व ही शहरी क्षेत्रों में अस्थाई शेल्टर होम/राहत शिविर केंद्र बनाया गया था। जहाँ हजारों लोगों को शिविर में पहुंचाने हेतु बस्ती एवं मोहल्ले में घर-घर जा कर संपर्क किया गया। निर्देश के आलोक में श्री दीपक सहाय, कार्यपालक पदाधिकारी, मानगो नगर निगम के नेतृत्व में 9 अस्थाई शेल्टर होम/राहत शिविर केंद्र बनाया गया था।

इस दौरान नदी से सटे हुए क्षेत्रों, जलजमाव वाले क्षेत्रों, तटवर्ती क्षेत्रों, आसपास के कच्चे व झुग्गी झोपड़पट्टी और खपरैल मकान में निवासरत लोगों को राहत शिविर में पहुंचाने का प्रयास किया गया। जागरूकता के साथ राहत शिविर में नगर मिशन प्रबंधक निर्मल कुमार, नगर प्रबंधक निशांत कुमार दिनेश्वर यादव कनीय अभियंता नंदू कुमार कार्यालय कर्मी रवि, विनोद का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

- श्री कृष्ण कुमार, विशेष पदाधिकारी जमशेदपुर अक्षेस एवं श्री रवि भारती, नगर प्रबंधक द्वारा तटवर्ती क्षेत्र में रहने वाले लोगों को माइकिंग से जागरूक किया गया था साथ ही 20 से अधिक राहत शिविर/आश्रय गृहों में 300 से अधिक लोगों को पहुँचाया गया था।
- जुगसलाई नगर परिषद् द्वारा सैकड़ों लोगों को राहत शिविर में आश्रय दिया गया था।
- शेल्टर होम में आए हुए बच्चों, महिलाओं एवं पुरुषों को खाने के लिए खिचड़ी, चोखा, चूड़ा एवं गुड़ उपलब्ध कराया गया था।

चक्रवाती तूफ़ान 'यास' के दौरान चास नगर निगम द्वारा हेल्पलाइन नंबर जारी करते हुए शहरी क्षेत्र खास कर स्लम बहुल क्षेत्रों में सक्रियता दिखाते हुए लोगों की मदद की गयी। ज्ञात हो की निकाय क्षेत्र के अंतर्गत संचालित महिला एवं पुरुष आश्रय गृह, सामुदायिक भवन एवं विवाह मंडप आदि को राहत शिविर सेंटर बनाया गया था जहाँ फुटपाथ पर रहने वाले लोग एवं असहाय जरुरतमंदों को आपदा के दौरान सहायता प्रदान किया गया था।

नगर परिषद चाईबासा द्वारा कोरोना काल में निभाई जा रही है महत्वपूर्ण भूमिका

जनहित से जुड़े किये जा रहे आवश्यक कार्य

कोरोना संक्रमण के दुसरे लहर में कोविड 19 महामारी से मृत व्यक्तियों के शवों के अंतिम संस्कार हेतु चाईबासा नगर परिषद द्वारा कई आवश्यक कदम उठाये गए। नगर परिषद द्वारा चाईबासा स्थित मुक्तिधाम परिसर पर नियमित रूप से ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव, साफ़ सफ़ाई कार्य, बैरिकेडिंग एवं सूचना पट्ट का अधिस्थापन, सैनिटाइजेशन आदि का कार्य भी किया गया। ज्ञात हो कि पश्चिमी सिंहभूम जिला दंडाधिकारी-सह-उपायुक्त श्री अनन्य मित्तल के द्वारा उपस्थित पदाधिकारियों को वायरस संक्रमित व्यक्तियों के दाह-संस्कार से संबंधित निर्गत सभी अनुदेशों का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित करने, नियमित रूप से समस्त परिसर एवं इसके आसपास के क्षेत्रों में सैनिटाइजेशन का कार्य करने हेतु आवश्यक एवं उचित दिशा-निर्देश दिया गया था।

कोविड-19 टीकाकरण अभियान के सफलतम संचालन हेतु बैठक का आयोजनः पश्चिमी सिंहभूम जिला दंडाधिकारी-सह-जिला उपायुक्त श्री अनन्य मित्तल के अध्यक्षता तथा अन्य अधिकारियों के उपस्थिति में चाईबासा नगर परिषद क्षेत्र के 21 वार्ड पार्षद सदस्य एवं दोनों नगरपरिषद क्षेत्र अंतर्गत संचालित स्थाई टीका केंद्र के मजिस्ट्रेट, नगर प्रबंधक/सिटी मिशन मैनेजर/कल्सटर रिसोर्स पर्सन, चक्रधरपुर नगरपरिषद के कम्युनिटी ऑर्गेनाइजर के साथ से कोविड-19 टीकाकरण अभियान के सफलतम संचालन हेतु वर्चुअल बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में उपस्थित सभी व्यक्तियों को राज्य सरकार द्वारा टीकाकरण संचालन को लेकर निर्गत गाइडलाइन की जानकारी देते हुए उपस्थित वार्ड पार्षदों से टीकाकरण से संबंधित सुझाव/शिकायतों को सुनते हुए शीघ्र निराकरण का भरोसा दिलाया गया।

इस दौरान उपायुक्त महोदय ने कहा कि वैश्विक महामारी कोरोनावायरस संक्रमण के चेन को तोड़ने के लिए यह आवश्यक है कि 45 एवं इससे अधिक आयु वर्ग के लोगों को जल्द से जल्द कोविड-19 टीका से आच्छादित किया जाए। साथ ही लोगों के बीच व्याप्त भ्रांतियों को दूर कर टीकाकरण अभियान में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित भी किया जाए। सरकार द्वारा अनुमोदित दोनों टीका यथा कोवीशील्ड एवं को-वैक्सीन पूर्ण रूप से सुरक्षित और संक्रमण के खिलाफ जारी लड़ाई में सहायक हैं। उपायुक्त के द्वारा वार्ड पार्षद सदस्यों एवं उपस्थित सभी व्यक्तियों से अपील किया गया कि वायरस संक्रमण के इस दूसरे लहर को नियंत्रित करने के लिए सभी जनप्रतिनिधि एवं जमीनी स्तर पर कार्य कर रहे प्रतिनिधि आगे आएं एवं अपने वार्ड क्षेत्र के सभी निर्धारित आयु वर्ग के लोगों को टीका लेने हेतु प्रेरित करें।

जिसका प्रतिफल यह हुआ कि नगर परिषद चाईबासा एवं स्वास्थ्य विभाग के कर्मी द्वारा शहरी क्षेत्र के 5 स्थानों में कोरोना टीकाकारण केंद्र खोला गया जहाँ सरकार की गाइडलाइंस के अनुसार 45 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों का टीकाकरण किया गया तथा शहर की प्रतिष्ठित संस्था अंजुमन इस्लामियां द्वारा बड़ी बाजार स्थित उर्दू लाइब्रेरी में टीकाकरण केंद्र का आयोजन कर उपस्थित रोजादारों को कोविड-19 वैक्सीन का प्रथम डोज दिया गया।

उपायुक्त द्वारा आवश्यक एवं उचित दिशा-निर्देश दिया गया।

चाईबासा नगर परिषद द्वारा अधिस्थापित सूचना पट्ट।

प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के नवनियुक्त विशेषज्ञों का ऑनलाइन प्रशिक्षण

राज्य स्तरीय तकनीकी कोषांग के विभिन्न विशेषज्ञों ने अपने-अपने क्षेत्र से संबंधित प्रशिक्षण दिया

नगरीय प्रशासन निदेशालय, नगर विकास एवं आवास विभाग, झारखण्ड सरकार द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) अंतर्गत पांच दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण शिविर का आयोजन गूगल मीट के माध्यम से किया गया। आयोजित शिविर में PMAY(U) के नवनियुक्त 48 विशेषज्ञों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

प्रशिक्षण शिविर के दौरान पहले दिन दिनांक 4 मई को नगरीय प्रशासन निदेशालय के निदेशक विजया जाधव द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) का परिचय, उद्देश्य, लक्ष्य एवं सभी आधारभूत जानकारियां विशेषज्ञों को दी गयी। इस दौरान निदेशक द्वारा बताया गया कि PMAY(U) योजना का क्रियान्वयन धरातल पर बेहतर रूप से हो, इसके लिए सभी घटकों एवं आवश्यक बिंदुओं की जानकारी एक विशेषज्ञ को होनी बहुत जरुरी है। उन्होंने सभी विशेषज्ञों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि योजना से लाभुक को कैसे लाभ मिले और इसकी क्या शर्तें हैं, किस आधार पर आवास का निर्माण कराया जाना है, आप सभी को इन आयामों पर विशेष ध्यान देते हुए अध्ययन करना है। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) अंतर्गत ''वर्ष 2022 तक सबके लिए आवास'' के क्रियान्वयन हेतु विभिन्न घटकों/विकल्पों के माध्यम से स्लमवासियों सहित राज्य के समस्त शहरी आवासहीन निवासियों को पक्का आवास की आवश्यकता को पूरा करना है। प्रशिक्षण शिविर में नगरीय प्रशासन निदेशालय के वरीय पदाधिकारियों द्वारा विशेषज्ञों को विविध विषयों से अवगत कराते हुए योजना में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने को कहा गया।

नगरीय प्रशासन निदेशालय के सहायक निदेशक श्री शैलेश प्रियदर्शी ने इस ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन किया। सभी नए प्रशिक्षुओं से अपेक्षा जताई कि वे पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी से अपने कार्यो का निर्वहन करेंगे तथा निदेशालय द्वारा दिए गए योजना से संबंधित निर्देशों का पालन करेंगे।

PMAY(U) के विभिन्न घटक

प्रथम घटक: भूमि को संसाधन के रूप में उपयोग करते हुए निजी प्रवर्तकों की भागीदारी से स्लम का पुनर्वास

द्वितीय घटक: ऋण से जुड़े ब्याज अनुदान के माध्यम से कमजोर वर्ग के लिए किफायती आवास को प्रोत्साहन

तृतीय घटक: सार्वजनिक तथा निजी क्षेत्रों के साथ भागीदारी में किफायती आवास का निर्माण.

चतुर्थ घटक: लाभार्थी आधारित व्यक्तिगत आवास निर्माण के लिए अनुदान

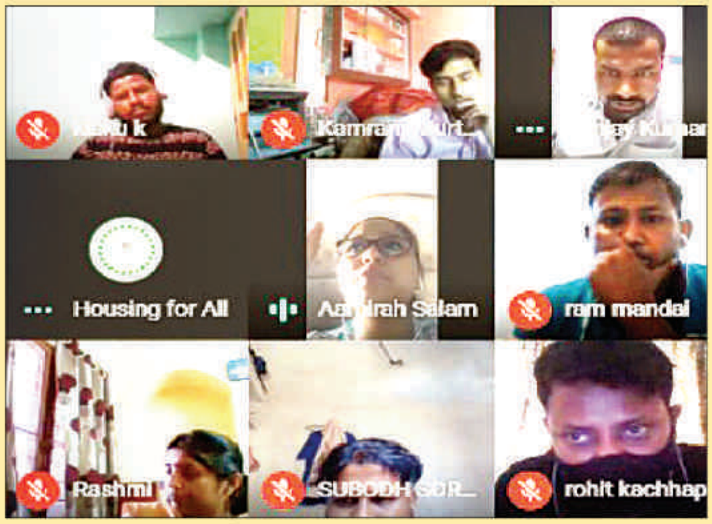

नवनियुक्त विशेषज्ञों का हुआ वर्चुअल प्रशिक्षण।

पांच दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में PMAY(U) के इन महत्वपूर्ण विषयों का अध्ययन कराया गया

- पहले दिन परिचय सत्र में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के उद्देश्य, लक्ष्य, चुनौतियों सहित अन्य आयामों की जानकारी प्रदान की गयी।
- अगले दो दिन PMAY(U)-MIS के तहत योजना का प्राचर-प्रसार, जागरूकता, योग्य लाभुक का चयन, पात्रता, जरूरी कागजात, आईइसी गतिविधियों के जरिए योजना का प्रचार-प्रसार, योजना की आवेदन प्रक्रिया, एमआईएस पोर्टल, प्रोजेक्ट वर्क फ्लो आदि के बारे में अध्ययन कराया गया।
- एक दिन के विशेष सत्र में PMAY(U) जियोटैगिंग का परिचय, संकल्पना व क्षेत्र की संपूर्ण जानकारी एवं भूवन पोर्टल की उपयोगिता के बारे में बताया गया।
- प्रशिक्षण शिविर के अंतिम शेष दो दिनों में योजना के सभी आधारभूत जानकारी अवगत कराते हुए विशेषज्ञों को देश भर के उदाहरणों से अवगत कराया गया।

लाभुक जसमंद कालिंदी।

मुख्यमंत्री श्रमिक योजना के तहत रोजगार मिलने के पश्चात जसमन के जीवन-स्तर में आया बदलाव

मुख्यमंत्री श्रमिक योजना (MSY) शहरी क्षेत्र में रोजगार की तलाश कर रहे मज़दूर, गरीब एवं असहाय परिवारों के लिए वरदान साबित हो रही है। राज्य के अकुशल श्रमिकों को व्यापक रूप से रोजगार उपलब्ध कराने के लिए नगरीय प्रशासन निदेशालय, नगर विकास एवं आवास विभाग, झारखंड सरकार प्रतिबद्ध है। अबतक इस योजना से लाभांवित होकर राज्य में हजारों अकुशल श्रमिकों ने रोजगार प्राप्त किया है। यह कहानी एक ऐसे ही श्रमिक की है जिन्होंने मुख्यमंत्री श्रमिक योजना के तहत जॉब कार्ड प्राप्त किया और रोजगार पाकर अपने आर्थिक स्थिति को सुदृढ किया।

चाकुलिया नगर पंचायत के वार्ड संख्या 12 के निवासी जसमन कालिंदी बेरोजगार थे। उनके परिवार में कुल 5 सदस्य है, जिनका भरण-पोषण करने के लिए वह कचरों के ढेर से प्लास्टिक एवं अन्य उपयोगी वस्तुओं को चुन कर बेचा करते थे। इसके बदले उन्हें जो पैसे मिलते थे उसी से किसी तरह वह घर के लोगों को भोजन उपलब्ध करा पा रहे थे। इसी दौरान नगर पंचायत चाकुलिया के कर्मचारियों ने उन्हें कार्यालय बुलाया और उनकी परिस्थिति को देखते हुए सफ़ाई कार्य के लिए प्रेरित किया। जसमन कालिंदी को वह एक स्वप्न के जैसा लगा क्योंकि वह अनपढ़ थे और उन्हें अब तक किसी ने इस तरह से बुलाकर रोजगार उपलब्ध नहीं कराया था। उन्होंने तुरंत उस कार्य को स्वीकार कर लिया। नगर पंचायत चाकुलिया के कर्मचारियों ने उनका निबंधन मुख्यमंत्री श्रमिक योजना के तहत कर अकुशल श्रमिक के रूप में उनका जॉब कार्ड तत्काल निर्गत कर दिया। जसमन कालिंदी को जॉब कार्ड के आधार पर शहर के साफ-सफ़ाई कार्यो में रोजगार उपलब्ध करा दिया गया।

जसमन ने अपनी रोजगार की बात परिवार को बताई। यह जानकर परिवार के सभी सदस्य काफी प्रसन्न हुए। अगले दिन से जसमन नगर पंचायत द्वारा निर्धारित स्थानों एवं शहरी क्षेत्रों में साफ-सफाई का कार्य ईमानदारी पूर्वक मेहनत से करने लगे। जसमन तब से लगातार नगर पंचायत चाकुलिया में MSY के तहत कार्य कर रहे हैं। अब उन्हें परिवार का भरण-पोषण करने के लिए दर-दर भटकना नहीं पड़ रहा है। रोजगार प्राप्त होने से उनके जीवन स्तर में बहुत सुधार हुआ है। जसमन आज बेहद खुश है। उन्होंने प्रण लिया है कि अपने शहर को स्वच्छ रखने में अपना हर संभव योगदान देंगे।

डे-एनयूएलएम योजना का लाभ लेकर अपने व्यवसाय को आगे बढ़ा रहे हैं जरूरतमंद

सरकार द्वारा संचालित दीनदयाल अंत्योदय योजना राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के तहत मानगो नगर निगम द्वारा कई शहरी गरीबों को ऋण मुहैया कराकर उनके स्वरोजगार को गति देने का प्रयास किया जा रहा है।

> वित्तीय वर्ष 2020-21 में प्राप्त आवेदनों के आधार पर कई शहरी गरीब/बीपीएल लोगों को इस योजना का लाभ विभिन्न बैंकों से मिला है। इस हेतु कार्यालय के सीएमएम, सीओ, एवं सीआरपी ने कई बैंकों में दौरा किया और लाभुकों को लोन दिलाने में सहयोग किया है। वित्तीय वर्ष 2021-22 में भी अधिक लोगों को इस योजना का लाभ दिलाने का प्रयास किया जाएगा। इस योजना के तहत व्यक्तिगत रूप से अधिकतम दो लाख रूपये तक का लोन बैंकों से मिल सकता है। लोन राशि के अलावा ब्याज का 7% लाभुक को देना होता है और बाकि सब्सिडी सरकार देती है।
>
> **-श्री दीपक सहाय,**
> **कार्यपालक पदाधिकारी,**
> **मानगो नगर निगम**

लॉकडाउन के कारण कई शहरी गरीबों को रोजगार/स्वरोजगार संबंधी कार्यों में काफी कठिनाईयों का सामना करना पड़ रहा था एवं अपनी कमाई से घर परिवार का जीविकोपार्जन करना काफी मुश्किल हो गया था। इन्हीं शहरी गरीब में से एक हैं शोभा सिंह, जो अपने परिवार का भरण-पोषण कुंवर सिंह बस्ती में एक छोटी सी दुकान चलाकर कर रही थी, परन्तु पर्याप्त पूंजी नहीं होने के कारण उनकी दुकान में बिक्री हेतु सामानों की कमी हो गयी थी,जिसके कारण दुकान चलाना काफी मुश्किल हो गया था साथ ही उसे अपने परिवार की रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने में दिक्कतें आ रही थी।

मानगो कुंवर बस्ती निवासी शोभा सिंह अपने दुकान में .

इसी बीच एसएचजी समूह की सीआरपी उर्मिला देवी के द्वारा शोभा को जानकारी दी गई कि दीनदयाल अंत्योदय योजना राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के तहत मानगो नगर निगम द्वारा कई शहरी गरीबों को भिन्न-भिन्न बैंको से ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है। योजना से जुड़ी सारी जानकारी प्राप्त कर शोभा ने इस योजना का सहारा लेकर आगे बढ़ने का विचार किया।

योजना के स्वंय रोजगार कार्यक्रम(SEP) घटक के तहत शोभा नें मानगो नगर निगम कार्यालय में आवेदन दिया। आवेदन भरवाने के उपरांत निगम की टास्क फोर्स कमेटी ने उनके आवेदन को बैंक में लोन की स्वीकृति के लिए भेजा।

जिसके बाद मानगो नगर निगम द्वारा बैंक से समन्वय स्थापित करते हुए एक लाख रूपये का ऋण शोभा को दिलाया गया। शोभा सिंह ने ऋण प्राप्त कर ना सिर्फ अपने दुकान को समृद्ध किया बल्कि एक लेडीज कॉर्नर खोलकर उन्होंने अपने दुकान के व्यवसाय को बढ़ाया। आज शोभा अपने जैसे दूसरे जरूरतमंदों को इस योजना का लाभ लेने के लिए प्रोत्साहित कर रहीं हैं।

मानगो में कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए जागरूकता अभियान

कोरोना के बढ़ते संक्रमण के मद्देनजर मानगो नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत सेवा दे रहें सीएमएम सीओ, सीआरपी तथा कार्यालय द्वारा संचालित स्वयं सहायता समूह के सदस्यों द्वारा गली, मोहल्लों, मलीन बस्तियों में रहने वाले लोगों को कोरोना वायरस से संबंधित जानकारी देकर उन्हें जागरूक किया गया। इस दौरान सदस्यों द्वारा लोगों को मास्क पहनने एवं सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करने, नियमित व्यायाम, पौष्टिक खानपान एवं घर के सदस्यों की इम्युनिटी बढ़ाने से संबंधित जानकारी दी गयी।

ज्ञात हो कि निगम कार्यालय द्वारा क्षेत्र में 200 से अधिक स्वयं सहायता समूह है जिसका संचालन सीएमएमयू कोषांग के माध्यम से किया जाता है। उक्त कार्य के लिए मानगो नगर निगम के अधिकारियों द्वारा कर्मियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया है। इस कार्य में उर्मिला स्वयं सहायता समूह, जीवन संगिनी स्वयं सहायता समूह, शारदा जय स्वयं सहायता समूह, सिद्धेश्वरी महिला स्वयं सहायता समूह, प्रगति महिला स्वयं सहायता समूह, ओम साईं महिला समिति, शिव गुरु महिला समिति एवं अन्य कई स्वयं सहायता समूह के सदस्य इसमें अपनी अहम भूमिका निभा रहे हैं।

संक्रमित व्यक्तियों को कॉल कर बढ़ाया जा रहा है उनका हौसलाः कोरोना काल में मानगो नगर निगम की टीम के द्वारा फोन के माध्यम से लोगों का हाल चाल पूछा जा रहा है। कार्यपालक पदाधिकारी दीपक सहाय के निर्देश पर टीम के सदस्य जिला प्रशासन से प्राप्त जानकारी के अनुसार संक्रमित व्यक्तियों को फोन कर उनके स्वास्थ्य के साथ-साथ उनके परिवार के सदस्यों का हाल चाल भी पूछ रहे हैं। इस दौरान यह जानकारी भी ली जा रही है कि उनके परिवार के सदस्यों की संख्या कितनी है, उनके घर पर ऑक्सीमीटर, थर्मामीटर है कि नहीं। उनके घर में रहने के लिए सेपरेट रूम है या नहीं, परिवार में किसी को कोई गंभीर बीमारी जैसे हार्ट, किडनी, शुगर संबंधित अन्य बीमारी तो नहीं है। कॉल के माध्यम से संक्रमित व्यक्तियों का हौसला बढ़ाया जा रहा है, लोगों से यह अपील की जा रही है कि कोरोना प्रोटोकॉल का पालन करें और स्वस्थ रहें। साथ ही उन्हें विशेष परिस्थिति में ही संपर्क करने को कहा जाता है ताकि उन्हें डॉक्टर, अस्पताल एवं एंबुलेंस की जानकारी दी जा सके। निगम के सिटी मिशन मेनेजर निर्मल कुमार और नगर प्रबंधक अनामिका निशा बागे इस काम को संचालित कर रहे हैं।

स्वयं सहायता समूह के सदस्यों द्वारा लोगों को किया गया जागरूक।

स्वयं सहायता समूह की महिलाएं, जागरूकता फैलाने एवं सामाजिक कार्यों में सबसे आगे

राँची में कोरोना टीकाकरण कराने को लेकर लोगों को जागरूक करती DAY-NULM की सीआरपी समूह।

पूरी दुनिया कोरोना महामारी के बुरे प्रभावों का सामना कर रही है, हर परिवार प्रभावित है और सभी की आजीविका भी प्रभावित हो रही है। झारखंड एक आदिवासी बहुल राज्य है, जहां आजीविका कमाने में महिलाएं मुख्य रूप से भूमिका निभाती हैं। ये महिलाएं न केवल अपने परिवार की देखभाल कर रही हैं बल्कि महामारी के दौरान कई सामाजिक कार्यों और आजीविका की गतिविधियों में भी लगी हुई हैं। महिलाएं काम करने में तो काफी सक्रिय हैं लेकिन जहां बात आती है स्वास्थ्य की वहां ज्यादातर महिलाएं अपनी स्वास्थ्य पर ध्यान नहीं देती। जब परिवार का हर सदस्य खाना खा लेता है तब वह अपना थाल परोसती हैं।

ये महिलाएं जिनमें से 80% झारखंड के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में स्वयं सहायता समूह के सदस्यों के रूप में शामिल हैं, उन्हें DAY-NULM के तहत सीआरपी/सीओ द्वारा कोविड वैक्सीन के लिए उन्मुख किया जा रहा है। 5 मई को झारखंड स्वास्थ्य विभाग ने नगर प्रशासन निदेशालय, के साथ टीकाकरण के संबंध में अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्नों और भ्रम पर सभी कैडरों के लिए एक आभासी प्रशिक्षण आयोजित किया और उन्हें उनकी भूमिका और जिम्मेदारी को भी संक्षेप में समझाया तथा संबंधित स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा स्वयं सहायता समूहों के अभिविन्यास तंत्र को भी सुगम बनाया गया।

खूँटी में कोविड 19 प्रोटोकॉल का पालन करने हेतु लोगों से अपील करती महिला सदस्य।

18-44 वर्ष के 90% स्वयं सहायता समूह के सदस्यों ने COWIN पोर्टल में पंजीकरण कराया है और 60% स्वयं सहायता समूह के सदस्य और उनके परिवार वालों जिनकी उम्र 45 वर्ष और उससे अधिक हैं, उनका टीकाकरण भी किया गया है। महामारी के दौरान डोर टू डोर किराना डिलीवरी, क्वारंटाइन परिवार को पका हुआ भोजन वितरण, मास्क, सैनिटाइजर बनाना आदि सेवाओं के माध्यम से आजीविका का कार्य किया जा रहा है।

कुछ क्षेत्रों में स्वास्थ्य विभाग द्वारा उपलब्ध कराई गई दवाइयां, किट का वितरण, मास्क, दस्ताने, सैनिटाइजर आदि का वितरण भी हो रहा है। इस महामारी ने सामाजिक दूरी बनाए रखना तो सिखाया है, लेकिन साथ ही इसने हर इंसान में सभी के लिए सामाजिक बंधन और लगाव भी पैदा किया है। इस प्रकार अब स्वयं सहायता समूह सिर्फ स्वयं की मदद नहीं कर रहा है बल्कि यह आगे आकर काफी सक्रिय रूप से सबकी मदद कर रहा है।

कोविड 19 महामारी को लेकर चक्रधरपुर में चलाया जा रहा है जागरूकता अभियान

DAY-NULM के सदस्यों ने टीकाकरण हेतु लोगों को किया प्रेरित

सरकार की किसी भी योजना की सफलता तभी मायने रखती है जब समाज के हाशिए पर रह रहे लोग उस योजना का लाभ उठा सके। इसके लिए कई स्तर पर वर्कर्स को तैनात किया गया है जो गांवों और शहरों में हर स्तर पर लोगों को सुविधा की जानकारी पहुंचाने का कार्य करते हैं।

इन्हीं फ्रंटलाइन वर्कर्स में दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन (DAY-NULM) अंतर्गत जुड़े नगर परिषद चक्रधरपुर के सीआरपी, सीओ और स्वंय सहायता समूह भी है जो कोरोना संक्रमण के दौरान अपने जिम्मेदारियों को बख़ूबी निभा रहें हैं।

टीकाकरण अभियान में सक्रीय भूमिका निभाते DAY-NULM के सदस्य।

नगर परिषद चक्रधरपुर के अधिकारियों के निर्देश पर निकाय के विभिन्न समूहों और सदस्यों द्वारा प्रतिदिन विभिन्न स्थानों में टीकाकरण कैंप में सहयोग किया गया। इसके साथ ही सभी 23 वार्डो में जाकर मास्क पहनने, हाथों को नियमित रूप से धोने, सैनिटाइजर का उपयोग करने, दो गज की दूरी बनाकर रहने, कोरोना से बचाव हेतु सुरक्षित उपायों व नियमों का अनुपालन करने एवं टीकाकरण करवाने के लिये लोगों को लगातार प्रेरित किया गया। DAY-NULM द्वारा संचालित सभी समूह एवं कर्मी कोविड 19 महामारी से जंग लड़ने में हर कदम पर सहयोग देने के लिए 24 घंटे तत्पर है।

नगर परिषद के सभी 23 वार्डों में कोरोना संक्रमित मरीजों के लिए मारवाड़ी युवा मंच चक्रधरपुर द्वारा निःशुल्क भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। जिसकी प्रशंसा जिला प्रशासन और नगर परिषद चक्रधरपुर ने किया है।

नगर परिषद में सफाई कर्मियों द्वारा भी शहर के क्षेत्रों में अभियान चलाकर सफाई एवं सैनिटाइजेशन का कार्य निरंतर किया जा रहा है।

अब समस्या का समाधान आपकी मुट्ठी में, घर बैठे PGMS में दर्ज कराएं अपनी शिकायत

बस करें एक कॉल या क्लिक और पाएं तत्काल समाधान

नगर विकास एवं आवास विभाग, झारखण्ड सरकार द्वारा राज्य के सभी शहरी नगर निकायों के लिए लोक शिकायत प्रबंधन प्रणाली (PGMS) लागू किया गया है, जिसके माध्यम से जनहित में समस्याओं का समाधान किया जाता है।

लोक शिकायत प्रबंधन प्रणाली (PGMS) के कॉल सेंटर में कार्यरत कर्मी।

शिकायत निवारण प्रक्रिया

- राज्य के नागरिक अपने नगर निकाय से संबंधित समस्या को PGMS में संपर्क कर दर्ज कराते हैं। बदले में उन्हें शिकायत संख्या प्रदान की जाती है।
- शिकायत दर्ज होते ही PGMS की टीम नगर निकाय के संबंधित पदाधिकारी को शिकायत से अवगत कराते हैं।
- अधिकारी द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए समस्या का समाधान किया जाता है।
- शिकायत समाधान के पश्चात शिकायतकर्ता को कॉल कर स्थिति की जानकारी ली जाती है व शिकायत के समाधान से संतुष्ट होने पर उनकी सहमति से शिकायत को बंद कर दिया जाता है।

14 जून 2021 तक

- **119576** लोगों ने PGMS पोर्टल के माध्यम से संपर्क किया।
- **38352** शिकायतें PGMS पोर्टल में दर्ज की गई हैं।
- **35704** शिकायतों का सफलतापूर्वक समाधान कर दिया गया।

निम्नलिखित विषयों से समस्या हो तो PGMS कॉल सेंटर में संपर्क करें

- सड़क, नाली साफ़-सफाई से संबंधित
- नाली या रोड निर्माण के संबंध मे
- तालाब शुद्धीकरण से संबंधित
- विभाग के पदाधिकारी या कर्मियों के कार्यकलाप
- LED लाइट से संबंधित
- मृत पशु को हटाने से संबंधित
- जलापूर्ति से संबंधित
- मुख्यमंत्री श्रमिक योजना से संबंधित
- प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर से संबंधित
- फॉगिंग से संबंधित
- अवैध निर्माण या नक्शा संबंधित
- Death, Birth Certificates या Trade license से संबंधित
- Tax, Assessment या Holding Number से संबंधित
- स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) से संबंधित (SBM-U)
- बिल्डिंग निर्माण सामग्री को सड़क से हटाने से संबंधित
- अतिक्रमण से संबंधित
- दीनदयाल अंत्योदय योजना -राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन से संबंधित (DAY-NULM)

इन माध्यमों से कर सकते हैं शिकायत दर्ज

- Toll free no.: **1800-120-2929**
- Landline no.: **0651-712-2727**
- WhatsApp/SMS: **7633928444**
- Website: **pgms.dmajharkhand.in**
- Email: **info@dmajharkhand.in**
- Social Media: **@jharkhandDMA**

ऑक्सीजनयुक्त कोविड केयर सेंटर में कोरोना संक्रमित मरीजों का अब होगा बेहतर इलाज

चास नगर निगम

कोरोना संक्रमण की रोकथाम एवं संक्रमितों की बेहतर इलाज मुहैया कराने हेतु चास नगर निगम लगातार कारगर कदम उठा रही है। निगम क्षेत्र अंतर्गत आश्रय गृह में जिला प्रशासन एवं समर्थ एडल्टकेयर के सहयोग से 20 बेड का ऑक्सीजनयुक्त कोविड केयर सेंटर बनाया गया है, जिसका उद्घाटन दिनांक 23 मई को बोकारो जिला उपायुक्त श्री राजेश सिंह के द्वारा किया गया। यह कोविड केयर सेंटर सीमांत और वंचित समुदायों के लिए एक मुफ्त कोविड-19 राहत और पुनर्वास सेंटर है। इस दौरान उपायुक्त श्री राजेश सिंह ने कहा कि महामारी के इस परिस्थिति में जरूरतमंदो को हर संभव मदद करने का प्रयास जिला प्रशासन द्वारा किया जा रहा, इसी कड़ी में 20 बेड का ऑक्सीजनयुक्त कोविड केयर सेंटर बनाया गया है जहाँ ईलाज के लिए सभी सुविधाएं उपलब्ध होंगी। सेंटर में मरीजों की देखभाल के लिए 24×7 कर्मी कार्यरत रहेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि मरीजों की संख्या बढ़ने पर आवश्यकता अनुसार बेड की संख्या बढ़ा दी जाएगी। उन्होंने बताया कि समर्थ एडल्टकेयर संगठन द्वारा बोकारो में बुजुर्गों की देखभाल किये जाने और इन कठिन समय में वंचित समुदायों की मदद करने की यह पहल सराहनीय है, जिला प्रशासन समर्थ संगठन के साथ निरंतर काम के लिए तत्पर है। इस दौरान नगर आयुक्त श्री अनिल कुमार सिंह, सीआरपीएफ 26 बटालियन के कमांडर सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत आश्रय गृह में ऑक्सीजनयुक्त कोविड केयर सेंटर।

» कोविड कंट्रोल रूम का आपातकालीन डायल नंबर :- 18003452110 (टोल फ्री),
» 06542-222111, 7091079710, 9693621237, 8406020237, 8969491237

सराहनीय पहल

अंतिम संस्कार हेतु मुक्तिरथ वाहन की व्यवस्था

देवघर नगर निगम द्वारा मुक्ति रथ का मुआयना कर आम लोगों के लिए उपलब्ध कराया गया।

कोविड-19 अवधि में कोरोना से मृत व्यक्तियों का अंतिम संस्कार करने में उनके परिजनों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। उचित वाहन की व्यवस्था नहीं होने के कारण शवों को श्मशान व कब्रिस्तान तक ले जाने में काफी परेशानी हो रही थी। लोगों की परेशानी को कम करने के लिए देवघर नगर निगम के द्वारा आठ लाख पचास हज़ार रूपये की लागत से मुक्तिरथ वाहन की व्यवस्था की गई।

देवघर नगर आयुक्त सह प्रशासन शैलेंद्र कुमार लाल ने गुरुवार 20 मई को मुक्तिरथ का मुआयना कर इसे आम लोगों के लिए निगम में उपलब्ध करा दिया। इस संबंध में नगर आयुक्त ने कहा है कि वरीय सफाई निरीक्षक, सफाई निरीक्षक व वार्ड जमादार के मोबाइल नंबर पर संपर्क करने पर 1 घंटे के अंदर यह सुविधा जरूरतमंदों को उपलब्ध करा दी जाएगी।

कोविड-19 से मृत व्यक्तियों के मुक्तिधाम तक के परिचालन में चालक सहित दो अन्य व्यक्तियों की आवश्यकता होती है इसलिए इसका शुल्क 1500 रूपये रखा गया है। सामान्य लोगों के लिए इसका शुल्क और कम करके 1000 रूपये तक रखा गया है ।जबकि लावारिस शवों के लिए यह व्यवस्था निःशुल्क होगी। वहीं विशेष परिस्थिति में असहाय व्यक्तियों को निःशुल्क लाभ देने का अधिकार सिर्फ नगर आयुक्त को होगा।

मुक्तिरथ के परिचालन के लिए जो शुल्क रखा गया है उस राशि से वाहन रख रखाव, ड्राइव व कर्मियों के पारिश्रमिक वहन में किया जाएगा। देवघर नगर निगम द्वारा कोविड-19 में विद्युत शवदाह गृह भी प्रारंभ किया गया है,जिसमें एक माह के अंदर करीब 40 शवों का दाह संस्कार किया गया। इसी क्रम में जरूरतमंदों की सुविधा हेतु मुक्तिरथ वाहन लाया गया है। इस दौरान कर्मियों की देखरेख में गौशाला रोड, झौंसागढ़ी निवासी विकास सुल्तानिया की पत्नी सुनीता सुल्तानिया के शव को मुक्तिरथ वाहन से श्मशान पहुंचाया गया।

मुक्तिरथ के लिए निगम कर्मियों के मोबाइल नंबर पर करना होगा संपर्क

नगर आयुक्त ने आदेश जारी करते हुए कहा है कि कोविड-19 संक्रमण से मृत व्यक्तियों एवं सामान्य मृतकों के लिए मुक्ति वाहन उपलब्ध कराने हेतु दाह संस्कार कराने संबंधी सूचना देवघर नगर निगम कंट्रोल रूम का हेल्पलाइन नंबर **950 81 12201** से प्राप्त प्राप्त किया जाएगा। इसके साथ सफाई निरीक्षक अजय कुमार का मोबाइल नंबर **99 3472 4222** सफाई निरीक्षक श्यामसुंदर रवि का मोबाइल नंबर **8864006011** एवं मनीष भारद्वाज के मोबाइल नंबर **7488275373** पर भी संपर्क कर निगम वासी यह सुविधा ले सकते हैं। फोन करने के उपरांत 1 घंटे के अंदर यह सुविधा शहरवासियों को मिलेगी।

देवघर नगर निगम

- निगम क्षेत्र अंतर्गत शवों को श्मशान व कब्रिस्तान तक ले जाने के लिए शहरवासियों को दी जाएगी सुविधा।
- विद्युत शवदाह गृह में 1 माह के अंदर 40 शवों का कराया जा चुका है अंतिम संस्कार।

फुसरो नगर परिषद

शव का अंतिम संस्कार कराने हेतु मुक्ति वाहन की शुरुआत

फुसरो नगर परिषद द्वारा कोरोना संक्रमितों के शव का अंतिम संस्कार कराने हेतु मुक्ति वाहन की शुरुआत की गई है जिसके तहत कोरोना महामारी से निधन के बाद शवों को श्मशान घाट व कब्रिस्तान ले जाया जाएगा जहाँ उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। मुक्ति वाहन में फुसरो नगर परिषद के कर्मी वाहन से संक्रमित शव को ले जाने का काम करेंगे। फुसरो नगर परिषद के प्रभारी कार्यपालक पदाधिकारी मनोज कुमार ने बताया कि बढ़ते कोरोना संक्रमण की चेन को तोड़ने के लिए यह व्यवस्था शुरू की गई है ताकि परिजन एवं अन्य लोग संक्रमित होने से बच सके। इसके साथ ही श्मशान घाट में लकड़ी की कमी को देखते हुए फुसरो नगर परिषद द्वारा शवों को जलाने के लिए लकड़ी की व्यवस्था भी की गई है जो जरूरतमंदो को उपलब्ध कराई जाएगी। इसके साथ ही जो परिजन कोरोना संक्रमित होने के कारण शव का अंतिम संस्कार नही करते है तो नगर परिषद उन शवों का अंतिम संस्कार करेगी। कोरोना काल मे नगर परिषद की ओर से सभी 28 वार्ड के मोहल्लों, कॉलोनियों व सार्वजनिक स्थलों को सैनिटाइज कराने का कार्य भी किया गया। स्वास्थ्य विभाग से मिलने वाली सूची के आधार पर नगर परिषद की टीम ने घर-घर पहुंचकर सैनिटाइजेशन का कार्य कर रही है।

फुसरो नगर परिषद में शवों को ले जाने के लिए तैयार मुक्ति वाहन।

कोयले की खानों के लिए मशहूर शहर : धनबाद

झारखंड के उत्तर पूर्व में स्थित धनबाद शहर कोयले की खानों के लिये मशहूर है, जो सिर्फ झारखण्ड ही नहीं पुरे देश में कोयला व खनन में सबसे अमीर शहरों में से एक है। पुर्व में यह मानभुम जिले के अधीन था। ख्याति प्राप्त औद्योगिक, सामाजिक, सांस्कृतिक व अन्य कई विश्व स्तरीय संस्थान शहर में हैं। धनबाद शहर पश्चिम में गिरिडीह, बोकारो, उत्तर में गिरिडीह व दुमका और पूर्व में पश्चिम बंगाल के पुरुलिया जिले से घिरा हुआ है। धनबाद का कुल क्षेत्रफल 2959 वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है। पुर्व में धनबाद मानभुम जिले का एक अनुमंडल हुआ करता था। राज्य पुनर्गठन आयोग के नोटिफिकेशन के बाद से धनबाद जिला 26.10.1956 को अस्तित्व में आया। पहले धनबाद का नाम धनबाइद हुआ करता था। आई.सी.एस. अफसर मिस्टर लुबी के पहल पर अधिकारिक रूप से इसका नाम धनबाद कर दिया गया। धनबाद नगर निगम में सार्वजनिक उपयोगिताएं और नागरिक सेवाओं से जुड़े कई कार्य किये गए हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना(शहरी), दीनदयाल अंत्योदय योजना राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन, पीएम स्वनिधि, मुख्यमंत्री श्रमिक योजना सहित सरकार की अन्य महत्वकांक्षी योजनाओं का लाभ शहरवासियों को दिया जा रहा है।

नगर निगम द्वारा किये गए कुछ महत्वपूर्ण कार्य

- 9 विवाह भवन का निर्माण।
- 7 पार्कों का निर्माण एवं सौन्दर्यीकरण।
- 1 गिरजाघर, 5 श्मशान घाट एवं 5 कब्रिस्तान का सौन्दर्यीकरण।
- 16 सामूहिक हॉल सह वार्ड विकास केंद्र का निर्माण।
- 1 बहुद्देशीय सांस्कृतिक भवन का निर्माण।
- विश्व स्तरीय गोल्फ मैदान-स्व रणधीर वर्मा स्टेडियम का सौन्दर्यीकरण।
- 14वें वित्त आयोग के तहत पथों का निर्माण।
- मुख्य चौक/चौराहों एवं तालाबों का सौन्दर्यीकरण।
- वेंडिंग जोन का निर्माण।
- 2400 स्ट्रीट लाइट एवं 50 हाई मास्क लाइट अधिष्ठापन का कार्य पूर्ण।

धनबाद नगर निगम की उलब्धियाँ

शहर में सार्वजनिक उपयोगिताएं और नागरिक सेवाओं से जुड़े कई कार्य किये गए है। प्रधानमंत्री आवास योजना(शहरी), दीनदयाल अंत्योदय योजना राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन, पीएम स्वनिधि, मुख्यमंत्री श्रमिक योजना सहित सरकार की अन्य महत्वकांक्षी योजनाओं का लाभ शहरवासियों को दिया जा रहा है।

धनबाद एक नजर में

नगर निगम के कुल वार्डो की संख्या

55

कुल क्षेत्रफल

28,865 वर्ग किमी

कुल जनसँख्या

28,46,954

नगर आयुक्त सह प्रशासक : श्री सत्येन्द्र कुमार
महापौरः श्री चंद्रशेखर अग्रवाल

पर्यटन के अन्य क्षेत्र

कोयला खदानों के अलावा धनबाद में प्रकृति प्रेमियों के लिए भटिंडा फॉल, मैथन डैम, तोपचांची झील, पंचेत डैम एवं बिरसा मुंडा पार्क आदि कई मनोरम पिकनिक स्थान है जो शहर की खूबसूरती को चार चाँद लगाता है।

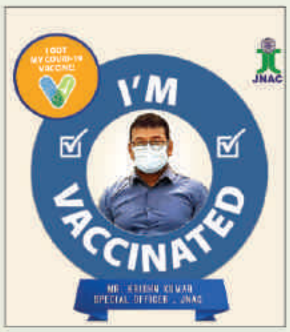

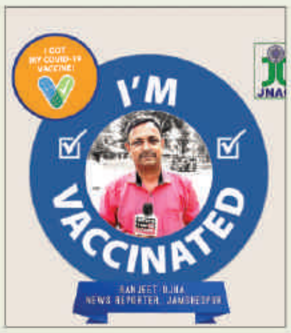

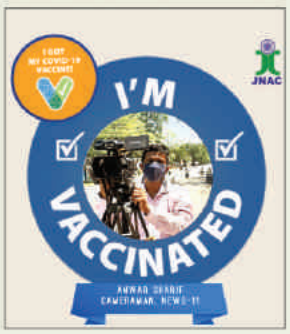

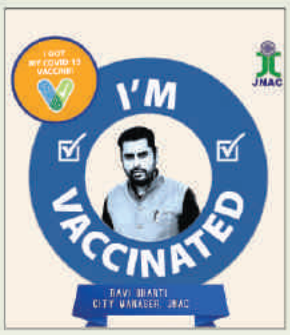

अब मेरी बारी, टीका मेरी जिम्मेदारी

जमशेदपुर अक्षेस द्वारा एक खास अभियान की शुरुआत की गई है, जिसका उद्देश्य ज्यादा से ज्यादा लोगों को टीकाकरण के लिए प्रेरित करना है। इस अभियान के तहत एक सेल्फी प्वाइंट बनाया गया है जहाँ लोगों को कोरोना वैक्सीन लेने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इसका असर भी दिखने लगा है, बड़ी संख्या में लोग कोरोना वैक्सीन ले रहे हैं और वह सभी लोग इस सेल्फी पॉइंट में अपनी फोटो लेकर भेज रहे हैं। खटअउ के विशेष पदाधिकारी कृष्ण कुमार ने भी कोरोना टीका लेकर इस सेल्फी प्वाइंट पर अपना फोटो शेयर किया है और वह ज्यादा से ज्यादा लोगों को जल्द से जल्द टीका लेने के लिए जागरूक कर रहे हैं। सोशल साइट्स पर सिर्फ फोटो पोस्ट करने पर अब लोग उसे उतनी उत्सुकता से नहीं देखते हैं और ना ही उनके बारे में उतना जानने की इच्छा रखते हैं। परंतु कुछ ऐसे कार्यक्रम है जहां लोग यह महसूस करते हैं कि वो उस कार्यक्रम से जुड़े हुए हैं और उसका एक हिस्सा बन चुके है, वहां लोग काफी दिलचस्पी से भाग लेते हैं. इस अवधारणा को ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुचाने का कार्य फ़ोटो फ्रेम के साथ लिखे संदेश - "I AM VACCINATED" लोगों के बीच काफी चर्चा में है। जिसका परिणाम यह है कि लोग अपने साथ-साथ अपने परिवार और रिश्तेदारों के भी फ़ोटो फ्रेम को बनवाने के लिए व्हाट्सअप के माध्यम से नगर प्रबंधक रवि भारती को फोटोज़ भेज रहे है। इसके अलावा इसे फेसबुक पर प्रोफाइल फोटो बनाने हेतु एप्प भी बनाया गया है जिससे लोग इसे अपना प्रोफाइल फोटो बना सकते हैं. सबसे अच्छी बात यह है कि इसे काफी लोग अपनी प्रोफाइल पिक्चर बना रहे हैं, स्टेट्स लगा रहे हैं और ट्विटर, फेसबुक पर पोस्ट भी कर रहे हैं. उन सभी पोस्ट पर काफी लाइक और कमेंट (पसंद और प्रतिक्रिया) भी आ रहे हैं. पहले दिन में 69 लोगो द्वारा फ़ोटो बनवाया गया। श्री कृष्ण कुमार, विशेष पदाधिकारी के द्वारा अपील की गई है कि 18 से 44 वर्ष तक के लोग ऑनलाइन पंजीकरण करते हुए अपना टीका लगवाना सुनिश्चित करें और 45 वर्ष से ऊपर के लोग स्वयं टीकाकरण केंद्र पहुँच कर पंजीकरण करवाने के उपरांत टीका लगवाएं।

संरक्षक
श्री हेमंत सोरेन
माननीय मुख्यमंत्री

संपादक
विनय कुमार चौबे
सचिव
नगर विकास एवं आवास विभाग

कार्यकारी संपादक
विजया जाधव
निदेशक
नगरीय प्रशासन निदेशालय,
नगर विकास एवं आवास विभाग

यह बुलेटिन विभाग के कार्यों के प्रति जन जागरूकता के उद्देश्य से प्रकाशित है।

मुख्यमंत्री श्रमिक योजना (MSY) के अंतर्गत राज्य के अकुशल श्रमिकों को रोजगार मुहैया कराया जा रहा है। मई माह में राज्य के सभी नगर निकायों द्वारा प्रतिदिन लगभग 2000 से अधिक अकुशल श्रमिकों को कार्य उपलब्ध कराया गया।

MSY अंतर्गत निबंधित अकुशल श्रमिकों को मिला रोजगार।

स्थानीय श्रमिकों के अलावा वैसे मज़दूर जो लॉकडाउन के कारण बाहर से आकर काम की तलाश में हैं, वह अपने नगर निकाय से संपर्क कर जॉब कार्ड बनवाकर योजना का लाभ उठा सकते हैं।

मुख्यमंत्री श्रमिक योजना (MSY) द्वारा जॉब कार्ड प्राप्त अकुशल मज़दूरों को उपलब्ध कराए जाने वाले कार्य

- तालाबों का गहरीकरण/सौंदर्यीकरण
- साफ सफाई कार्य
- पुराने भवनों का कायाकल्प एवं मरम्मतीकरण
- भवन व नाली निर्माण
- पेवर्स ब्लॉक एवं सड़क निर्माण
- सोकपिट निर्माण
- पौधारोपण
- सैनिटाइजेशन
- जल संचयन

इत्यादि

कोविड-19 महामारी के दौरान शहरी क्षेत्र के अकुशल श्रमिकों को व्यापक पैमाने पर रोजगार उपलब्ध कराने हेतु नगर विकास एवं आवास विभाग, झारखंड सरकार प्रतिबद्ध है।

DMA

नगरीय प्रशासन निदेशालय,
नगर विकास एवं आवास विभाग, झारखंड सरकार

Follow us on : @JharkhandDMA , Website : dmajharkhand.in
1st Floor, JUPMI Building, Beside H.E.C Headquarter, Dhurwa, Ranchi -834004, Jharkhand